शिक्षा निदेशालय
पाठ्यक्रम **(सत्र: 2023-24)**
कक्षा-12
विषय- राजनीति विज्ञान **(028)**

अध्याय संख्या	पाठ्यक्रम सामग्री
	भाग- ए **:** समकालीन विश्व राजनीति
	परियोजना कार्य **(Project work)** की तैयारी।
1.	दो ध्रुवीयता का अंत सोवियत प्रणाली। गोर्बाचेव और विघटन। सोवियत संघ के विघटन के कारण और परिणाम। शॉक थेरपी और इसके परिणाम। विश्व राजनीति में नई संस्थाएं-रूस, बाल्कन राज्य, मध्य एशियाई राज्य, रूस और समाजवाद के बाद भारत के अन्य राज्यों के साथ संबंध।
2.	सत्ता के समकालीन केंद्र यूरोपीयन संघ। दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान)। एक आर्थिक शक्ति के रूप में चीन का उदय। उभरती शक्तियों के रूप में जापान और दक्षिण कोरिया।
3.	समकालीन दक्षिण एशिया पाकिस्तान और बांग्लादेश में सेना और लोकतन्त्र। नेपाल में राजशाही और लोकतन्त्र। श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतन्त्र। भारत-पाकिस्तान संघर्ष। भारत और इसके पड़ोसी देश। शांति और सहयोग।
4.	अंतर्राष्ट्रीय संगठन अंतर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ और महत्व। संयुक्त राष्ट्र का विकास। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की संरचना और कार्य। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग। शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र में सुधार। संयुक्त राष्ट्र की संरचनाओं, प्रक्रियाएँ और क्षेत्राधिकार में सुधार। भारत और संयुक्त राष्ट्र सुधार। प्रमुख एजेंसियाँ- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतर्राष्ट्रीय आणविक ऊर्जा एजेंसी, गैर-सरकारी संगठन-एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का निहितार्थ और भविष्य।
5.	समकालीन विश्व में सुरक्षा सुरक्षा का अर्थ और प्रकार। सुरक्षा की पारंपरिक अवधारणा। सुरक्षा की गैर-पारंपरिक अवधारणा। खतरे के नए स्रोत। सहयोगात्मक सुरक्षा। भारत की सुरक्षा की रणनीति।
6.	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन पर्यावरण संबंधी चिंताएँ। ग्लोबल कॉमन्स। सामान्य लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व। भारत का पर्यावरण के मुद्दों पर रुख। पर्यावरणीय आंदोलन। भू-संसाधनों की राजनीति। मूल निवासियों के अधिकार।
7.	वैश्वीकरण वैश्वीकरण की अवधारणा, वैश्वीकरण के कारण और परिणाम। भारत और वैश्वीकरण। वैश्वीकरण का प्रतिरोध। भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध।

	भाग-बी: स्वतंत्र भारत में राजनीति
1.	राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ नए राष्ट्र के लिए चुनौतियाँ- तीन चुनौतियाँ, विभाजन: विस्थापन और पुनर्वास- विभाजन के परिणाम। रियासतों का एकीकरण-समस्या, सरकार का दृष्टिकोण, हैदराबाद, मणिपुर। राज्यों का पुनर्गठन।
2.	एकदलीय प्रभुत्व का युग लोकतन्त्र के निर्माण की चुनौती, पहले तीन आम चुनावों में काँग्रेस का दबदबा-काँग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति, सामाजिक और वैचारिक गठबंधन के रूप में काँग्रेस, गुटों में सहिष्णुता और प्रबंधन। विपक्षी दलों का उदय।
	• पाठ्यक्रम से योग्यता आधारित बहु-विकल्पीय/ केस स्टडी आधारित / स्रोत आधारित/ कार्टून और मानचित्र आधारित कार्य कराना अपेक्षित है| • **15** सितम्बर **2023** तक मध्यावधि परीक्षा का पाठ्यक्रम पूरा किया जाना. • पुनरावृत्ति • मध्यावधि परीक्षा • मध्यावधि प्रश्नपत्र पर चर्चा
3.	नियोजित विकास की राजनीति राजनीतिक प्रतिद्वंदिता - विकास के विचार, नियोजन, योजना आयोग, प्रारम्भिक पहल- प्रथम पंचवर्षीय योजना, तीव्र औधौगीकरण।
4.	भारत के विदेश संबंध अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ, गुट-निरपेक्षता की नीति- नेहरू की भूमिका, दो गुटों से दूरी, अफ्रीकी-एशियाई एकता। चीन के साथ शांति और संघर्ष, 1962 में चीन का आक्रमण, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति, बांग्लादेश युद्ध 1971, भारत की परमाणु नीति।
5.	कॉग्रेस प्रणाली: चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना राजनीतिक उत्तराधिकार की चुनौती- नेहरू से शास्त्री तक, शास्त्री से इन्दिरा गांधी तक। 1967 का चौथा आम चुनाव-चुनाव का संदर्भ, गैर-कॉग्रेसवाद-चुनावी फैसले, गठबंधन, दलबदल। काँग्रेस में विभाजन- इन्दिरा बनाम सिंडिकेट, 1969 का राष्ट्रपति चुनाव। 1971 का चुनाव और काँग्रेस की पुनर्स्थापना-पुनर्स्थापना के बाद के परिणाम, बहाली।
6.	लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट आपातकाल की पृष्ठभूमि-आर्थिक संदर्भ, गुजरात और बिहार के आंदोलन, न्यायपालिका के साथ संघर्ष। आपातकाल की घोषणा-संकट और प्रतिक्रिया, परिणाम। आपातकाल के सबक। आपातकाल के बाद की राजनीति-1977 के लोक सभा चुनाव, जनता सरकार, विरासत।
7.	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ क्षेत्र और राष्ट्र-भारतीय दृष्टिकोण, तनाव के क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, समस्या की जड़ें, बाहरी और

	आंतरिक विवाद, 1948 से राजनीति, उग्रवाद और उसके बाद, 2022 और उसके बाद। पंजाब-राजनीतिक संदर्भ, हिंसक-चक्र, शांति का मार्ग। पूर्वोत्तर-स्वायत्ता की मांग, अलगाववादी आंदोलन, बाहरी लोगों के खिलाफ आंदोलन, असम और राष्ट्रीय एकीकरण।
8.	भारतीय राजनीति : नए बदलाव 1990 का संदर्भ, गठबंधन का युग-गठबंधन की राजनीति। पिछड़े वर्ग का राजनीतिक उदय- मंडल आयोग का लागू किया जाना, राजनीतिक नतीजे, साम्यवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतन्त्र-अयोध्या विवाद, विध्वंस और उसके बाद। नई आम सहमति का उदय, 2004 का लोक सभा चुनाव, बढ़ती आम सहमति।
	• पाठ्यक्रम से योग्यता आधारित बहु-विकल्पीय/ केस स्टडी आधारित / स्रोत आधारित/ कार्टून और मानचित्र आधारित कार्य कराना अपेक्षित है| • **15** दिसम्बर **2023** तक वार्षिक परीक्षा का पाठ्यक्रम पूरा किया जाना. • पुनरावृत्ति • परियोजना कार्य (Project Work) के मूल्यांकन के लिए परियोजना कार्य और मौखिक परीक्षा की तैयारी | • प्री-बोर्ड परीक्षा की तैयारी। • प्री-बोर्ड परीक्षा पर चर्चा। • वार्षिक परीक्षा की तैयारी।

संदर्भित पुस्तकें:

1.समकालीन विश्व राजनीति, कक्षा-12, NCERT द्वारा प्रकाशित।

2.स्वतंत्र भारत में राजनीति, कक्षा-12, NCERT द्वारा प्रकाशित।

3. CBSE की बेबसाईट पर दी गयी संदर्भित सामग्री (Reference Material)।

नोट:

- संदर्भित सामग्री (Reference Material) कक्षा में प्रयोग के लिए है। बोर्ड की परीक्षाओं में इससे मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
- अधिक जानकारी के लिए दिये गए लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड का प्रयोग करें।

https://drive.google.com/file/d/1fsW65xFqwMIwE5RkIBfh2yJIDlaaVJIE/view?usp=sharing
https://cbseacademic.nic.in/web_material/CurriculumMain24/SrSec/PoliticalScience_SrSec_2023-24.pdf

तर्कसंगत 2023-24 एनसीआरटी राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के लिए लिंक:
https://ncert.nic.in/textbook.php?lhps1=1-7
https://ncert.nic.in/textbook.php?lhps2=0-8